RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 149
दि. 28.09.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI   Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 • Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com • Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com • Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ा कदम, पीएम मोदी ने किया स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार, 27 सितंबर को अपने ओडिशा दौरे के दौरान झारसुगुड़ा, से भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) की देशी तकनीक पर आधारित 4G नेटवर्क का उद्घाटन किया। यह अवसर BSNL के सिल्वर जुबली यानी 25 साल पूरे होने के मौके पर आया।

इस लॉन्च को डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह पहल भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल करती है, जो स्वदेशी टेलीकॉम उपकरणों का निर्माण करने में सक्षम हैं।

ओडिशा में पीएम मोदी ने की सौगातों की बौछार, 'लुटेरी कांग्रेस' से मांगा जीएसटी पर हिसाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा दौरे पर प्रदेश को कई सौगात भेंट की है। झारसुगुडा में पीएम मोदी ने अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई और 60,000 करोड़ की योजनाओं का ऐलान किया। इस दौरान पीएम ने एक जनसभा को भी संबोधित किया, जहां भारी संख्या में बीजेपी समर्थकों का जुटान था।

इस रैली में प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार के जीएसटी दरों को घटाने और ओडिशा के विकास के लिए अपनी सोच पर जोर दिया। अपनी चिर-परिचित शैली में पीएम ने एक बार फिर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी दरें घटाने के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा

हमला बोलते हुए कहा कि ये लुटेरी कांग्रेस है, जो सिर्फ जनता को लूटना जानती है। पीएम ने यह भी कहा कि बीजेपी का मिशन ओडिशा को मॉडल स्टेट बनाने का है।

पीएम मोदी ने इस दौरान कांग्रेस सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लुटेरी कांग्रेस है। उन्होंने कहा, 'हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है। कांग्रेस को मुझे भांति-भांति की गालियां देने की आदत पड़ गई है। जब हमने जीएसटी की दरें कम कीं तो पूरे देश में दाम कम हुआ, लेकिन कांग्रेस आम जनता को यह सुख देना नहीं चाहती। पहले जब हमने डीजल-पेट्रोल का दाम कम किया था, तब जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें थीं, वहां उन्होंने डीजल-पेट्रोल पर दूसरा टैक्स लगाकर उसका दाम उतना ही रहने दिया और खुद तिजोरी भरते रहे।'

इसी भाषण में आगे पीएम ने हिमाचल की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जब हमारी सरकार ने सीमेंट का दाम कम किया तो हिमाचल में कांग्रेस सरकार ने अपना ही टैक्स लगा दिया।

बरेली हिंसा पर सीएम योगी का बड़ा बयान, कहा - 'जो जिस भाषा में समझता है उसे उसी भाषा में समझाया गया'

(जीएनएस)।

सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ का शनिवार को एक बार फिर सख्त तेवर देखने को मिला। यह तेवर बरेली घटना को लेकर था। होटल ताज में आयोजित विकसित यूपी कार्यक्रम में बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि " जो जिस भाषा में में समझेगा उसी भाषा में उसे समझाया गया।

मौलाना भूल गया किसका शासन है

सीएम योगी ने कहा कि मौलाना भूल गया कि उत्तर प्रदेश में किसका शासन है। यहां ना तो सड़कें जाम होंगी और ना ही कर्फ्यू लगेगा। मौलाना कहता था सड़क जाम कर देंगे।

ऐसा सबक सिखाएंगे पीढ़ियां याद रखेंगी

सीएम योगी ने कहा कि बरेली हिंसा के उपद्रवियों को ऐसा सबक सिखाएंगे कि उनकी पीढ़ियां याद रखेंगी।

पूर्व की सरकारों में यही होता था

सीएम योगी ने कहा कि पूर्व की सरकारों में पहले यही होता था। माफियाओं को पालने का काम किया जाता था। उन्हें शरण दिया जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा। अब माफियाओं और अपराधियों की कमर तोड़ी जा रही है।

उत्तर प्रदेश बीमारू था नहीं

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बीमारू था नहीं, इसे परिवारवाद, जातिवाद और बीमारू मानसिकता वालों ने बीमारू बना दिया गया था। परिणाम क्या था, दंगे होते थे, दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास में बुलाकर सम्मानित किया जाता था। दंगाइयों की आवभगत होती थी और पेशेवर अपराधी और माफियाओं के सामने सत्ता सैल्यूट करती थी।

उन्होंने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए '8 ईयर्स ऑफ यूपी गवर्नमेंट' पुस्तक का विमोचन किया और प्रदेश की प्रगति की कहानी को दमदारी से प्रस्तुत किया।

मैक्स अस्पताल, लखनऊ ने शहर में बढ़ते हृदय रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया 'हार्ट हेल्थ कार्निवल'

लखनऊ, सितंबर 27, 2025ः मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, में आज ह्यहार्ट हेल्थ कार्निवलह्ण का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों से आए 1,000 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इस पहल के बारे में बोलते हुए, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, के कार्डियोलॉजी, कार्डियक साइंसेज के चेयरमैन - डॉ. नकुल सिन्हा, ने कहा, 'पारंपरिक रूप से दिल के रोग, खासकर कोरोनरी आर्टरी डिजीज को केवल बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था। लेकिन पहचान और डायग्नोसिस में हुई प्रगति के चलते अब यह साफ हो गया है कि दिल का रोग किशोर और युवाओं के साथ सभी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। इस रोग की घटनाओं और प्रसार में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल, स्मोकिंग और लाइफस्टाइल की परेशानियां हैं। हार्ट अटैक और

अचानक मृत्यु जैसी स्थितियां इन वर्गों में अब काफी आम हो गई हैं। इसके अलावा कई अन्य रोग भी हैं, जो दिल को प्रभावित कर सकते हैं और लक्षणों तथा संबंधित तकलीफों का कारण बनते हैं।'

डॉ. नकुल, ने आगे कहा, 'हृदय की पंप करने की क्षमता में कमी अलग-अलग कारणों से, हार्ट फेल्योर सिंड्रोम का कारण बन सकती है। यह तब भी हो सकता है जब हृदय की पंपिंग क्रिया सामान्य रहे। यह स्थिति कई मॉडर्न ज़िंदगी में सेहत के खिलाफ जाकर अपनाई गई आदतों का नतीजा हैं, जिनके कारण ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर, ओवरवेट होना और फेफड़ों की समस्याएं बढ़ती हैं। भारतीयों में एक खास मुश्किल यह भी है कि कभी-कभी अधिक मोटापे के बिना भी पेट के अंदर चर्बी ज्यादा पाई जाती है, जो अपने बुरे असर छोड़ती है। कुछ असामान्य जेनेटिक या वंशानुगत स्थितियां भी हैं, जो अचानक हृदय की धड़कन को असामान्य कर सकती हैं और कई बार यह घातक भी साबित होती हैं।'

डॉ. अम्बुकेश्वर सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर एवं यूनिट हेड, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने सभी को साइलेंट हार्ट अटैक के बारे में जागरूक किया और कहा, 'हालांकि यह आम नहीं है, लेकिन सामान्य लक्षणों जैसे सीने में दर्द या सांस फूलना आदि के बिना भी साइलेंट हार्ट अटैक हो सकता है।

बॉडीक्राफ्ट ने उत्तर प्रदेश में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, लखनऊ में 30वें क्लिनिक और 31वें सैलून का भव्य उद्घाटन

लखनऊ। बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक और सैलून, जो भारत में सौंदर्य, डमेटीलॉजी और लक्ज़र" सेल्फ-केयर का विश्वसनीय नाम है, ने लखनऊ में अपने पहले आउटलेट की भव्य शुरूआत एक ऐसी संध्या के साथ की, जिसमें शालीनता, संस्कृति और नवाचार का संगम देखने को मिला। उद्घाटन समारोह की शोभा मुख्य अतिथि श्रीमती नम्रता पाठक (उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक की धर्मपत्नी) न` बढ़ाई। उनके साथे श्री सुधीर हलवासिया, राजनीतिज्ञ, आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं भाजपा उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, कई गणमान्य व्यक्तियों, इंफ्लुएंसर्स तथा शहर के सांस्कृतिक और व्यावसायिक समुदाय के सदस्य भी उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति से यह स्पष्ट हुआ कि बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक और सैलून ने लखनऊ में पहले ही उत्साह और विश्वास का माहौल बना लिया है। ` लखनऊ लॉन्च के साथ, बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक और सैलून अब भारत में कुल 61 आउटलेट्स चला रहा है। यह इसके विस्तार के सफर का एक बड़ा पड़ाव है। वर्षों से यह ब्रांड देशभर में 3.5 लाख+ ग्राहकों की सेवा कर चुका है और अपनी क्लिनिक सेवाओं से 75,000 से अधिक जीवन-परिवर्तनकारी अनुभव प्रदान कर चुका है। अब लखनऊ भी इस बढ़ते परिवार का हिस्सा बन गया है, जो इस बात

को मजबूत करता है कि बॉडीक्राफ्ट हर शहर में वैश्विक स्तर की सौंदर्य और वेलनेस सेवाएं सुलभ कराने के लिए प्रतिबद्ध है।` लॉन्च पर बोलते हुए बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक की संस्थापक एवं मेडिकल डायरेक्टर, डॉ. मिक्की सिंह ने कहा लखनऊ अपनी धरोहर और संस्कृति के कारण हमेशा मुझे आकर्षित करता रहा है। यहां बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक और सैलून लेकर आए हैं। मुझे विश्वास है कि लखनऊवासी हमें पूरे दिल से अपनाएंगे, क्योंकि हम क्लिनिक विशेषज्ञता और सैलून लक्ज़र" दोनों का अनुभव एक छत के नीचे उपलब्ध करा रहे हैं। बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक और सैलून की सह-संस्थापक, श्रीमती मंजुल गुप्ता ने कहा कि करीब तीन दशक पहले जब हमने बॉडीक्राफ्ट की शुरूआत की थी, तब हमने कभी नहीं खोलना मेरे लिए बेहद खास है। हम सिर्फ. ट्रीटमेंट ही नहीं, बल्कि सौंदर्य, वेलनेस और विज्ञान के जरिए व्यक्तियों को सशक्त बनाने की एक पूरी सोच सोचा था कि हमें इतना प्यार और विश्वास मिलेगा। आज लखनऊ में आउटलेट्स का उद्घाटन हमारे लिए एक बड़ा पड़ाव है। यह शहर हमारे दिल के बेहद करीब है और हमें गर्व है कि हम यहां के लोगों को उच्चतम मानकों की देखभाल और कला प्रदान कर पा रहे हैं, जिसके लिए बॉडीक्राफ्ट जाना जाता है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने कहा ` लखनऊ में बॉडीक्राफ्ट जैसी अत्याधुनिक सुविधा का खुलना मेरे लिए बेहद संतोषजनक है। यहां क्लिनिकल डमेटीलॉजी और सैलून सेवाएं एक ही छत के नीचे मिलेंगी। गोमती नगर ऐसे प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए बिल्कुल सही स्थान है। यह देखकर अच्छा लगता है कि लखनऊ, उत्तर प्रदेश की प्रगति यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुझे विश्वास है कि लखनऊ के नागरिक यहां की सेवाओं और देखभाल से लाभान्वित होंगे।` लखनऊ लॉन्च में शहर के लिए कई पहली बार पेश की गई सेवाएं पीडीआरएन थेरेपी (उन्नत स्किन रीजुवेनेशन ट्रीटमेंट) व माउंजारो (एक समग्र नवाचार जो मेडिकल इनसाइट, कस्टम न्यूट्रिशन और लाइफस्टाइल प्लानिंग को जोड़ता है) शामिल है।

लखनऊ भाषा विश्वविद्यालय में 'ऑनलाइन बनाम परंपरागत शिक्षा' पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के लॉ विभाग में विश्वविद्यालय के दशम दीक्षोत्सव समारोह के उपलक्ष्य में 'ऑनलाइन और परंपरागत शिक्षा प्रणाली' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लॉ डिपार्टमेंट के डीन प्रो. मसूद आलम ने की।

प्रतियोगिता में लगभग 40 विद्यार्थियों ने एकल एवं सामूहिक रूप से प्रतिभाग किया और ऑनलाइन व ऑफलाइन शिक्षा प्रणाली पर अपने-अपने विचार रखे। विभाग के छात्र अमन कुमार त्रिपाठी ने परंपरागत शिक्षा को भारत की विद्वता का प्रमाण बताया, वहीं छात्र तौकीर अहमद ने ऑनलाइन शिक्षा को अधिक समावेशी करार दिया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन तीन सदस्यीय ज्यूरी झ्र डॉ. ममता शुक्ला (बी.टेक. बायोटेक्नोलॉजी विभाग), डॉ. काजिम रिजवी (जर्नलिज्म विभाग) एवं डा. योगेंद्र सिंह (हिंदी विभाग) झ्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर लॉ विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष त्रिवेदी ने छात्रों को मंच पर अपने विचार निर्भीकता से रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

ज्यूरी सदस्य डॉ. ममता शुक्ला ने ऑनलाइन शिक्षा की प्रासंगिकता स्वीकारते हुए ऑफलाइन शिक्षा के साथ उसे समानांतर रूप से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर अंशुल पांडेय ने किया तथा समन्वय असिस्टेंट प्रोफेसर तान्या सागर, भानु प्रताप सिंह एवं अंशुल पांडेय द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से डॉ. कृष्ण मुकुंद, आशीष साही, रविकेश मौर्य, डॉ. जैनिब इफ्तिखार, मृणाल झा, प्रशांत सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

'ओसामा को पालने में शर्म नहीं आई', यूएन में भारत ने पाकिस्तानी पीएम को किया एक्सपोज, हर सवाल का दिया मुंहतोड़ जवाब

(जीएनएस)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भाषण के बाद भारत ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को राइट टू रिप्लाई का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान को जबरदस्त फटकार लगाई। भारत ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को महिमामंडित करने और झूठ फैलाने का सीधा आरोप लगाया।

भारतीय राजनयिक पेटल गहलोत ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के भाषण को 'बेतुका नाटक' करार दिया और दो टूक कहा कि 'कोई भी नाटक या झूठ तथ्यों को छिपा नहीं सकता।' संयुक्त राष्ट्र महासभा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जब कश्मीर और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर भ्रामक दावे किए, तो भारत ने पाकिस्तान को आईना दिखा दिया।

झूठ नंबर 1ः भारत-पाक संघर्ष पर भ्रामक दावा

पाकिस्तान का प्रधानमंत्री ने दावा किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत के सात जेट क्षतिग्रस्त हुए। इस पर पेटल गहलोत ने पलटवार करते हुए स्पष्ट किया कि यह दावा झूठा है। रिकॉर्ड स्पष्ट है। 9 मई तक पाकिस्तान भारत को और हमलों की धमकी दे रहा था, लेकिन 10 मई को खुद सेना ने संघर्ष विराम के लिए सीधे मिन्नतें की थीं।

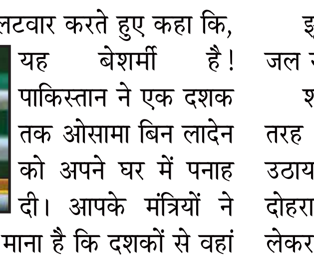

झूठ नंबर 2ः आतंकवाद पर दोहरा रवैया

पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने दावा किया कि, पाकिस्तान खुद 'बाहरी-प्रायोजित आतंकवाद' का शिकार है और ळळढ जैसे संगठनों की निंदा करता है। भारत की ओर से पेटल ने पलटवार करते हुए कहा कि, यह बेशर्मी है! पाकिस्तान ने एक दशक तक ओसामा बिन लादेन को अपने घर में पनाह दी। आपके मंत्रियों ने हाल ही में माना है कि दशकों से वहां आतंकी कैंप चल रहे हैं।

शहबाज शरीफ ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ करते हुए उन्हें शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात कही। भारत ने वठरउ में पाकिस्तान के एक और कृत्य का खुलासा कियाः 25 अप्रैल, 2025 को पाकिस्तान ने 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) नामक पाकिस्तानी आतंकी संगठन को कश्मीर में पर्यटकों के नरसंहार की जिम्मेदारी से बचाया।

झूठ नंबर 3ः कश्मीर और सिंधु जल संधि पर धमकी

शहबाज शरीफ ने हर साल की तरह इस बार भी कश्मीर का मुद्दा उठाया और जनमत संग्रह की बात दोहराई। साथ ही सिंधु जल संधि को लेकर भारत की कार्रवाई पर धमकी दी कि इसका उल्लंघन 'युद्ध के एक कार्य' जैसा होगा। भारत ने इन बातों को तथ्यों को विकृत करने की कोशिश बताया और साफ कर दिया कि पाकिस्तान की विदेश नीति का मुख्य आधार आतंकवाद को बढ़ावा देना है, जिसे वह कितना भी छिपा ले, दुनिया जानती है।

माननीय प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर ब्रह्मपुर (ओडिशा) और उधना (गुजरात) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस का किया शुभारंभ

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सूरत में बुलेट ट्रेन स्टेशन के निर्माण कार्य की समीक्षा की

भारत के हीरा और कपड़ा केंद्र के रूप में विख्यात सूरत में यात्री और माल ढुलाई में तेजी से वृद्धि हो रही है। गुजरात की भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे व्यापक कदम उठा रहा है। इनमें सूरत एवं उधना में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और नई यात्री व मालगाड़ियां शुरू करना शामिल है।

ओडिशा और गुजरात के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस

आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रह्मपुर (ओडिशा) और उधना (गुजरात) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह एक नई पीढ़ी की ट्रेन है, जिसे किफायती, सुरक्षित और लंबी दूरी की यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है।

अमृत भारत एक्सप्रेस की विशेषताएं:

- बेहतर डिजाइन के साथ आधुनिक एर्गोनॉमिक सीटिंग
- निर्बाध आवागमन के लिए पूरी तरह से कनेक्टेड कोच
- बेहतर सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने वाला ट्विन-इंजन कॉनफि गरेशन

जिस तरह वंदे भारत एक्सप्रेस ने मध्यम वर्ग के लिए यात्रा की नई परिभाषा गढ़ी है, उसी तरह अमृत भारत एक्सप्रेस भी किफायती किराए पर ऐसी ही सुविधाएं प्रदान करेगी। आज शुरू की गई इस रेल सेवा का किराया 495 रुपए (सामान्य श्रेणी) और 795 रुपए (गैर-वातानुकूलित शयनयान श्रेणी) प्रति यात्रा होगा। यह

ट्रेन 5 राज्यों (गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और ओडिशा) के 22 जिलों में 1700 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेगी। इस नई कनेक्टिविटी से युवाओं सहित उद्यमियों एवं व्यवसायियों को कपड़ा, हीरा व संबंधित क्षेत्रों में और अधिक अवसर मिलेंगे। इस ट्रेन से मां तारा तारिणी शक्तिपीठ जाने वाले तीर्थयात्रियों को भी लाभ होगा।

गुजरात में स्टेशन पुनर्विकास कार्य

गुजरात के स्टेशनों का विकास अगले 50 वर्षों को ध्यान में रखते हुए मास्टर डेवलपमेंट प्लान के तहत किया जा रहा है। भारतीय रेलवे उधना, सूरत, बिलिमोरा, सचिन आदि रेलवे स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज उधना स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि स्टेशन को आधुनिक तर्ज पर डिजाइन किया जा रहा है। प्लेटफॉर्म और पिट लाइनों की क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री ने निर्माण कार्य की समीक्षा के लिए सूरत हाई स्पीड रेल स्टेशन का भी दौरा किया। सूरत-बिलिमोरा के बीच काम तेजी से चल रहा है। स्टेशन का सिविल वर्क पूरा हो चुका है और फि निशिंग व यूटिलिटी वर्क अभी चल रहा है। आज के निरीक्षण के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना में आधुनिक और नवीन तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। पटरियों पर काम उल्लेखनीय गति से चल रहा है। सूरत स्टेशन पर पहला टर्नआउट सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। टर्नआउट रेलवे ट्रैक का महत्वपूर्ण जंक्शन होता है। यह सुविधा हाई-स्पीड ट्रेनों के संचालन में सुगमता लाएगी। उन्होंने बताया कि पटरियों में रोलर बेयरिंग भी लगे हैं, जिससे बुलेट ट्रेन अधिक सुरक्षित और सुगमता से तेज गति से चल सकेगी। इसके अतिरिक्त, पटरियों पर स्लीपर कंक्रीट की बजाय मिश्रित सामग्री से बनाए गए हैं। इससे उच्च स्थायित्व, कम रखरखाव और तेज गति पर बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित होगा। यात्री सुविधा को और बेहतर बनाने एवं वातावरण में शोर को कम करने के लिए डैम्पर्स के रूप में एक कंपन अवशोषण तंत्र शुरू किया गया है। ये डैम्पर्स शोर और झटके को अवशोषित करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस परियोजना से हम सूरत से मुंबई एक घंटे में पहुंच सकेंगे। स्टेशन पुनर्विकास और ट्रैक बिछाने का काम लगातार जारी है। हाई-स्पीड रेल परियोजना अंततः कनेक्टिविटी में बदलाव लाएगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देगी। अहमदाबाद और मुंबई का पूरा खंड एक आर्थिक गलियारा बन जाएगा।

वड़ोदरा मंडल पर 'स्वच्छोत्सव' : नुक्कड़ नाटक से स्वच्छता का संदेश

'स्वच्छता ही सेवा - 2025'अभियान के अंतर्गत पश्चिम रेलवे, वड़ोदरा मंडल द्वारा वड़ोदरा एवं छायापुरी स्टेशन पर विशेष 'स्वच्छोत्सव' कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

इस अवसर पर 'स्वच्छ भारत, स्वच्छ रेल'विषय पर आधारित वड़ोदरा स्टेशन पर रेल कर्मियों तथा छायापुरी स्टेशन पर ओएनजीसी,(वडोदरा) द्वारा प्रेरक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच सार्वजनिक स्थानों, विशेषकर रेलवे परिसर और उसके आसपास, स्वच्छता एवं हाइजीन (सफाई और

स्वास्थ्य) के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था।

इस प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक ने कूड़े-कचरे का उचित निपटान, कूड़ा फैलाने के हानिकारक प्रभावों और स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने की सामूहिक जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रेषित किया। इस प्रदर्शन ने यात्रियों और स्थानीय नागरिकों का काफी ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने इतने महत्वपूर्ण संदेश को संप्रेषित करने के लिए उपयोग किए गए इस रचनात्मक और आकर्षक माध्यम की सराहना की।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा वडोदरा स्टेशन का निरीक्षण

'स्वच्छता ही सेवा - 2025'अभियान के अंतर्गत, मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके एवं वरिष्ठ मंडल अधिकारियों संग आज वडोदरा रेलवे स्टेशन का व्यापक स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया गया । इस निरिक्षण का मुख्य उद्देश्य यात्री सुविधाओं, स्टेशन की साफ-सफाई एवं परिचालन सुरक्षा मानकों की सुनिश्चितता था ।

निरीक्षण के दौरान टिकट चेकिंग की गई तथा स्टेशन परिसर में अनधिकृत रूप से खाद्य सामग्री एवं अन्य वस्तुएं बेचने वाले वेंडरों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की गई। स्टेशन परिसर की स्वच्छता के साथ-साथ ट्रेनों में साफ-सफाई एवं शौचालयों की सफाई की सुनिश्चितता की गई। खान-पान स्टॉलों का भी निरीक्षण कर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया।

यात्रियों की सुविधाओं की समीक्षा करते हुए श्री भडके ने स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने को प्राथमिकता दी।

मंडल रेल प्रबंधक श्री भडके ने यात्रियों से अपील की कि वे रेलवे परिसरों और ट्रेनों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, जिससे सभी को स्वच्छ और सुखद यात्रा अनुभव

प्राप्त हो सके।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन जोड़ी त्योहार स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के त् योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-अयोध्या कैंट, बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना जं. और उधना-जयनगर के बीच विशेष किराए पर त् योहार स् पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09095/09096 बांद्रा टर्मिनस-अयोध्या कैंट साप्ताहिक स्पेशल [16 फेरे]

ट्रेन संख्या 09095 बांद्रा टर्मिनस-अयोध्या कैंट साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक बुधवार को बांद्रा टर्मिनस से 11:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:30 बजे अयोध्या कैंट पहुँचेगी। यह ट्रेन 1 अक्टूबर से 19 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09096 अयोध्या कैंट-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को अयोध्या कैंट से 21:00 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 06:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 20 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, दाहोद, मेघनगर, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शुजालपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ और बाराबंकी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09097/09098 बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 09097 बांद्रा टर्मिनस-लुधियाना जं. साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:50 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 00:30 बजे लुधियाना जं. पहुँचेगी। यह ट्रेन 5 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09098 लुधियाना जं.-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को लुधियाना जं. से 04:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 7 अक्टूबर से 2 दिसंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, मथुरा जं., नई दिल्ली, पानीपत और अम्बाला स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर और एसी-3 टियर (इकोनॉमी) क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09151/09152 उधना-जयनगर स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09151 उधना-जयनगर स्पेशल मंगलवार, 30 सितंबर, 2025 को उधना से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09152 जयनगर-उधना स्पेशल बुधवार, 01 अक्टूबर, 2025 को जयनगर से 23:00 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 17:45 बजे उधना पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, रतलाम, उज्जैन, शुजालपुर, संत हिरदाराम नगर, बीना, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख् या की 09151 बुकिंग 28 सितंबर, 2025 से तथा ट्रेन संख् या 09095 एवं 09097 की बुकिंग 29 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

'जनशक्ति जनता दल' के पोस्टर में क्यों नहीं हैं लालू-राबड़ी की तस्वीर? तेज प्रताप ने बताई वजह

(जीएनएस)।

तेज प्रताप यादव ने अपनी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल' की घोषणा कर दी है। उन्होंने पार्टी का पहला पोस्टर भी जारी किया, जिसमें उनके पिता लालू प्रसाद यादव और मां राबड़ी देवी की तस्वीर नहीं दिखाई गई।

यह कदम काफी चर्चा में है और राजनीतिक हलकों में सवाल खड़े कर रहा है। वहीं चर्चा के बीच तेज प्रताप ने स्पष्ट किया कि पोस्टर में केवल उनकी नई पार्टी के सदस्य और आदर्श व्यक्तित्वों की तस्वीरें होंगी।

तो इसलिए नहीं है लालू-राबड़ी की तस्वीर

तेजप्रताप ने साफ कहा कि उनके माता-पिता राजद के नेता हैं और उनकी तस्वीर उनकी नई पार्टी के पोस्टर में कैसे लग सकती है। उन्होंने आगे बताया, 'हमारी पार्टी के संविधान के अनुसार केवल वही लोग पोस्टर पर होंगे जो हमारी पार्टी में हैं। राजद के पोस्टरों में भी संस्थापक या नेताओं की तस्वीर का होना जरूरी नहीं है। इसलिए हमने अपने आदर्शों और नए विजन के अनुसार पोस्टर तैयार किया है।'

पार्टी के पोस्टर में इन महापुरुषों का फोटो

पार्टी के पोस्टर में पांच महापुरुषों और सामाजिक नेताओं को शामिल किया गया है: महात्मा गांधी, बीआर अंबेडकर, राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण और कर्पूरी ठाकुर। तेज प्रताप यादव ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य पार्टी के संविधान और आदर्शों को प्रमुखता देना है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में शामिल लोग ही पोस्टर पर होंगे और अन्य राजनीतिक हस्तियों की तस्वीरें नहीं लगाई जाएंगी।

चुनाव चिह्न ब्लैक बोर्ड रखा गया

बता दें कि राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व नेता और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपनी नई पार्टी बनाकर बिहार विधानसभा चुनाव में कदम रख दिया है। उनकी नई पार्टी का नाम 'जनशक्ति जनता दल' (JJD) है और इसका चुनाव चिह्न ब्लैक बोर्ड रखा गया है। तेज प्रताप ने अपने आधिकारिक हैंडल से पार्टी का पहला पोस्टर भी साझा किया है, जिसमें पार्टी के आदर्श और दिशा स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

तेजस्वी यादव की चिंता बढ़ सकती है

तेजप्रताप यादव के बागी तेवर ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है। अपनी नई पार्टी 'जनशक्ति जनता दल' के जरिए उन्होंने विधानसभा चुनाव में कदम रखा है, जिससे तेजस्वी यादव की चिंता बढ़ सकती है। पार्टी का चुनाव चिह्न ब्लैक बोर्ड और आदर्श नेताओं को पोस्टर में शामिल करना तेजप्रताप की अलग पहचान दिखाता है। इससे राजद के वोट बैंक में संभावित असर हो सकता है।

कौन हैं भाजपा प्रवक्ता डॉ. सुहेली मेहता? होम साइंस की प्रोफेसर बनीं कॉमर्स कॉलेज की प्रिंसिपल, मचा बवाल!

(जीएनएस)।

पटना विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय में प्रो. सुहेली मेहता ने शुक्रवार को प्राचार्य का पदभार संभाल लिया। उन्हें कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. अहमद हुसैन ने पद सौंपा। इस मौके पर शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उन्हें बधाई दी। हालांकि, पदभार ग्रहण करते ही विवाद की शुरूआत हो गई।

कॉलेज के छात्रों का कहना है कि होम साइंस की प्रोफेसर को वाणिज्य और मैनेजमेंट की पढ़ाई वाले कॉलेज का संचालन करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। छात्रों और कुछ शिक्षकों ने इस नियुक्ति पर सवाल उठाए हैं, जिससे प्रशासन और छात्रों के बीच चचाओं का दौर शुरू हो गया है।

कौन हैं डॉ. सुहेली मेहता?

डॉ. सुहेली मेहता बिहार की राजनीति और शिक्षा दोनों में एक जाना-माना नाम हैं। वे मगध महिला कॉलेज की गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष और प्रोफेसर रह चुकी हैं, और वर्तमान में पटना विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय की प्राचार्य भी हैं। राजनीति में वे बिहार बीजेपी की राज्य प्रवक्ता हैं।

पहले वे जदयू में सक्रिय थीं, लेकिन मई 2023 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर महिलाओं की उपेक्षा का आरोप लगाकर पार्टी से अलग हो गईं। इसके तीन दिन बाद 12 मई 2023 को

उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

उनका परिवार भी राजनीतिक रूप से सक्रिय है। उनके पिता तुलसीदास मेहता आरजेडी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रह चुके हैं, जबकि उनके भाई भी आरजेडी से विधायक है और मंत्री रह चुके हैं।

लॉटरी सिस्टम से प्रिंसिपल की हुई नियुक्ति

बिहार में पटना विश्वविद्यालय के तहत चार कॉलेजों में प्राचार्यों की नियुक्ति के लिए लॉटरी सिस्टम अपनाया गया। इस प्रक्रिया के तहत मगध महिला कॉलेज की गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुहेली मेहता को वाणिज्य महाविद्यालय का प्राचार्य बनाया गया।

इस लॉटरी प्रक्रिया को बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (BSUSC) द्वारा 2 जुलाई 2025 को राजभवन के प्रतिनिधि की मौजूदगी में आयोजित किया गया, ताकि नियुक्तियों में पारदर्शिता बनी रहे और किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो।

लॉटरी के जरिए चयनित अन्य प्राचार्य इस प्रकार हैं:

नागेंद्र प्रसाद वर्मा - मगध महिला कॉलेज (इतिहास)

अनिल कुमार - पटना कॉलेज

अलका यादव - पटना साइंस कॉलेज

योगेंद्र कुमार वर्मा - पटना लॉ कॉलेज

हालांकि इस नियुक्ति से सुहेली मेहता निराश बताई जा रही हैं और लॉटरी सिस्टम की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

सोशल मीडिया पर छिड़ा बहस

पटना विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय में गृह विज्ञान की प्रोफेसर डॉ. सुहेली मेहता के प्राचार्य बनने से छात्रों और शिक्षकों में विवाद पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सुहेली मेहता आर्ट्स कॉलेज में प्राचार्य बनना चाहती थीं, लेकिन लॉटरी प्रक्रिया के जरिए उन्हें वाणिज्य महाविद्यालय का प्राचार्य बनाया गया। छात्रों का कहना है कि अगर प्रिंसिपल को कॉमर्स और मैनेजमेंट का अनुभव नहीं होगा तो कॉलेज की पढ़ाई की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। बिहार के इस प्रतिष्ठित कॉमर्स कॉलेज में नियुक्ति को लेकर सोशल मीडिया पर भी गुस्सा और बहस का माहौल बन गया है।

मौलाना तौकीर रजा समेत 8 गिरफ्तार, 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवा बंद, धारा 144 लागू

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में जुमे की नमाज के बाद भड़की हिंसा को लेकर पुलिस और प्रशासन ने सख़्ती दिखाते हुए इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा को गिरफ्तार कर लिया है।

शनिवार, 27 सितंबर को पुलिस ने अदालत में पेशी के बाद मौलाना को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। उनके साथ 7 अन्य लोगों को भी जेल भेजा गया है।

पुलिस का कहना है कि इस मामले में लगातार एफआईआर दर्ज की जा रही हैं और कई लोगों से पूछताछ जारी है।

मौलाना तौकीर रजा पर दर्ज मामले

बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य ने जानकारी दी कि हिंसा के मामले में अब तक कुल 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें कोतवाली थाने में 5, बरादरी थाने में 2, प्रेमनगर, कैंट और किला थाने में 1-1 एफआईआर दर्ज हुई है। पुलिस ने अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि 39 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अकेले मौलाना तौकीर रजा के खिलाफ 7 ऋफ्क़ दर्ज की गई है।

पुलिस का कहना है कि मौलाना को पहले नजरबंद किया गया, फिर हिरासत में लिया गया और बाद में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

48 घंटे के लिए इंटरनेट बंद

हिंसा और तनाव को देखते हुए प्रशासन ने 48 घंटे के लिए इंटरनेट सेवाएँ बंद करने का आदेश जारी कर दिया है। इरठछ क्षेत्रीय कार्यालय के जीएम पंकज पोरवाल ने मीडिया को दी गई जानकारी में बताया कि शासन से आदेश प्राप्त हो चुका है और शनिवार से जिले में इंटरनेट सेवाएँ बंद कर दी गई हैं। प्रशासन का कहना है कि यह कदम अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं को रोकने के लिए जरूरी है।

गिरफ्तारी से पहले मौलाना तौकीर रजा ने शुक्रवार देर रात एक वीडियो मैसेज जारी किया था। उन्होंने सरकार की ओर से दिए गए बयानों का खंडन करते हुए कहा कि उन्हें नजरबंद कर दिया गया है और इस वजह से वह अपने समर्थकों से संवाद नहीं कर पा रहे हैं।

वीडियो में उन्होंने कहा, "अतीक और अशरफ की तरह मुझे भी गोली मार दो, मोहम्मद के नाम पर मरना कबूल है। मैंने हमेशा अमन का रास्ता चुना, लेकिन मोहम्मद साहब के बार-बार अपमान के खिलाफ सख़्त कानून बनना चाहिए। मैं आशिक-ए-रसूल को मुबारकबाद पेश करता हूँ, जिन्होंने ऐसे कठिन समय में अपनी आस्था का परिचय दिया।"

बता दें कि 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद बरेली की अल हजरत दरगाह के आसपास "आई लव मोहम्मद" लिखे पोस्टरों के साथ प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतरे। शुरूआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण नजर आ रहा था लेकिन देखते ही देखते यह विरोधअचानक हिंसक रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया जिससे हालात बेकाबू हो गए हैं। अंत में बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

पुलिस के लाठीचार्ज के बाद शर में भीड़ बेकाबू हो गई और खलील स्कूल तिराहे, नावल्टी चौराहा और श्यामगंज समेत कई इलाकों में दुकानों व वाहनों में तोड़फोड़ करने लगे। श्यामगंज इलाके में फायरिंग की घटनाएँ भी सामने आईं। करीब तीन घंटे तक बरेली शहर हिंसा की चपेट में रहा, जिसके बाद पुलिस बल ने हालात पर काबू पाया। इस बवाल में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए।

पुलिस का कहना है कि मौलाना तौकीर रजा ने कई बार प्रशासन को चकमा देने की कोशिश की थी, लेकिन अब उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बांग्लादेश डिपोर्ट किए 6 लोग निकले भारतीय, कोर्ट में खुली पोल, अब लाना होगा वापस

(जीएनएस)।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को छह लोगों, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है, को बांग्लादेश से वापस लाने का आदेश दिया। अदालत ने इस निर्वासन को "अवैध" करार देते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय को निर्देश दिया है कि चार सप्ताह के भीतर इनकी पश्चिम बंगाल वापसी सुनिश्चित की जाए।

न्यायमूर्ति तपाब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति रीतोब्रतो कुमार मित्रा की खंडपीठ ने केंद्र सरकार के उस अनुरोध को भी खारिज कर दिया, जिसमें आदेश को टालने की मांग की गई थी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार पर जवाब मांग रहे बिहार के दल

बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जंगलराज बनाम विकास के नैरेटिव की जंग के बीच अब भ्रष्टाचार यानी करप्शन का मुद्दा गरमा गया है। चारों ओर से आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला आरंभ हो चुका है। पहले बात करते हैं जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की। प्रशांत किशोर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सहित सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं पर कई आरोप लगाए हैं। वे लगातार इन आरोपों को दोहरा रहे हैं तो अब सत्तारूढ़ गठबंधन के लोग भी इन आरोपों को लेकर सवाल पूछने लगे हैं। बिहार में भाजपा और उसके सहयोगी दल विपक्ष को घेरने के लिए जंगलराज का मुद्दा उठा रहे हैं। सोशल मीडिया और अन्य प्रचार माध्यमों से जंगलराज की याद दिलाई जा रही है। पार्टी के एक नेता के मुताबिक जिन लोगों ने बिहार में जंगलराज का दौर देखा है। उन्हें फिर से उस दौर की याद दिलाई जा रही है। साथ ही नई पीढ़ी को भी बता सवें कि बिहार किस दौर से गुजरा था और अगर विपक्ष सत्ता में फिर आया तो वह दौर फिर लौट सकता है। एक तरफ जहां भाजपा इसी मुद्दे पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है वहीं राजनीति में एक नया मुद्दा भी जुड़ता जा रहा है, जो भाजपा को ही नहीं पूरे एनडीए की चिंता बढ़ा सकता है।

जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पर हत्या और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है तो जेडीयू नेता और मंत्री अशोक चौधरी पर भी 200 करोड़ की बेमानी संपत्ति का आरोप लगाया है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे पर दिलीप जायसवाल से पैसे लेकर फ्लैट खरीदने का आरोप जड़ा है तो उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर फर्जी डिग्री का आरोप लगाया है। प्रशांत किशोर जिस आव्रामक तरीके से लगातार इन आरोपों को उठा रहे हैं और इन पर जवाब मांग रहे हैं उससे राज्य की राजनीति में जंगलराज बनाम विकास की जगह अभी सबसे ज्यादा चर्चा इसी पर होने लगी है। इस पूरी बहस को और हवा दी भाजपा नेता और पूर्व वेंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर ने जिन नेताओं पर आरोप लगाए हैं उन्हें जवाब देना चाहिए और जवाब नहीं आने से भाजपा का ग्राफ गिर रहा है। जेडीयू नेता व प्रवक्ता नीरज वुमार ने भी कहा कि आरोपों पर अशोक चौधरी को अपनी स्थिति साफ करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी अग्नि परीक्षा से गुजर रही है और इस तरह के गंभीर आरोप सामान्य बात नहीं है। आरोपों का बिंदुवार जवाब देना चाहिए। उधर बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने मंगलवार को जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को कानूनी नोटिस भेजा।

साथ ही कहा कि वह बिना शर्त माफी मांगे या 100 करोड़ रुपए की मानहानि का मुकदमा झेलने के लिए तैयार रहें। बता दें कि हाल ही में पटना में प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया था कि चौधरी करीब 200 करोड़ रुपए मूल्य की जमीन की कथित रूप से अनियंत्रित खरीद-परोख्त में शामिल हैं। ग्रामीण कार्य विभाग का प्रभार संभाल रहे अशोक चौधरी ने नोटिस से किशोर से कहा है कि वह या तो अपने आरोपों को साबित करने के लिए सुबूत दें या फिर सार्वजनिक तौर पर बिना शर्त माफी मांगे। बिहार विधानसभा चुनावों की किसी भी समय घोषणा हो सकती हैं, ऐसे में इस प्रकार के आरोप एनडीए के लिए

हालिया सर्वे से प्रशांत किशोर होंगे खुश, 36 सीटों पर एनडीए-महागठबंधन को देंगे टेंशन!

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एक सर्वे सामने आया है। इसमें छह विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं से उनका रुझान पूछा गया, जहां से प्रशांत किशोर के लिए उम्मीद की खबर नजर आ रही है। Ascendia ने 'बैटल ऑफ बिहार-2025' नाम से यह सर्वे किया है। इसमें पूर्णिया, मगध, भोजपुर, भागलपुर, सारण और पटना के मतदाताओं से उनकी राय पूछी गई है।

सर्वे में उम्मीद जताई गई है कि जनसुराज को इस क्षेत्र में कुछ सीटें मिल सकती हैं। इस सर्वे में मतदाताओं से एनडीए और इंडिया गठबंधन के अलावा राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी को लेकर भी सवाल पूछे गए थे। सर्वे के अनुसार, जनसुराज पार्टी कुछ जगहों पर कमाल कर सकती है। आइए जानते हैं किन 36 सीटों पर पीके की पार्टी का प्रभाव बनता दिख रहा है।

क्षेत्रवार जनसुराज का प्रभाव

पूर्णिया विधानसभा: इस क्षेत्र में कुल 24 विधानसभा सीटें हैं। यहां 46 फीसदी मुस्लिम हैं और अनुसूचित जाति की 14 फीसदी आबादी है। सर्वे के मुताबिक इस बार इन 24 सीटों पर जनसुराज का प्रभाव ज्यादा नहीं रहेगा। पिछले विधानसभा चुनाव यानी 2020 में 24 में से 12 सीटें एनडीए को मिली थीं। अन्य दलों को 5 सीटें मिली थीं। इस बार यहां महागठबंधन को कुछ फायदा मिलने की उम्मीद जताई गई है।

मगध विधानसभा क्षेत्र: इसमें कुल 26 सीटें हैं और यहां 10 प्रतिशत मुस्लिम और 31 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति से हैं। 2020 में यहां महागठबंधन ने 26 में से 20 सीटों पर उसको जीत मिली थी, जबकि एनडीए ने 6 सीटें जीती थीं। सर्वे के मुताबिक, यहां महागठबंधन को इस बार बड़ा नुकसान होता दिख रहा है, लेकिन उसका फायदा एनडीए को मिलेगा। जनसुराज पार्टी का प्रभाव यहां भी कम है, लेकिन एक या दो

सीट पर उनका असर दिख सकता है।

भोजपुर विधानसभा क्षेत्र: भोजपुर में कुल 22 विधानसभा सीटें हैं, जिनमें से 9 प्रतिशत मुस्लिम और 22 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति से हैं। यह इलाका एक समय में आरजेडी का गढ रहा था और पिछले चुनाव में तो यहां महागठबंधन ने कमाल कर दिया था। महागठबंधन ने 40 प्रतिशत वोट के साथ 19 और अन्य दलों ने 32 प्रतिशत वोट शेयर के साथ एक सीट जीती थी। हालांकि, इस सर्वे में बाजी पलटती दिखाई दे रही है। यहां महागठबंधन को नुकसान होता दिख रहा है, लेकिन इसका फायदा एनडीए को ही मिलने की उम्मीद है। जनसुराज का यहां इस चुनाव में प्रभाव नहीं दिख रहा है।

भागलपुर विधानसभा क्षेत्र: भागलपुर में 45.5 प्रतिशत आबादी मुस्लिम और 14 प्रतिशत अनुसूचित जाति के लोग हैं। सर्वे के मुताबिक, इस क्षेत्र में जनसुराज को बढ़त मिल सकती है। यह पूरी तरह से उम्मीदवारों के चयन पर निर्भर कर सकता है। इस बार भागलपुर के चुनाव नतीजे चौंकाने वाले हो सकते हैं।

इन सीटों पर मिल सकता है फायदा

सारण विधानसभा क्षेत्र: सारण में कुल 24 विधानसभा सीटें हैं और यहां 15 प्रतिशत मुस्लिम और 15 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति के हैं। सर्वे के अनुसार इस बार एनडीए और महागठबंधन की स्थिति में बदलाव दिख सकता है। इस इलाके में जनता के बीच जनसुराज की अच्छी पकड़ बनती दिख रही है। यहां पार्टी कुछ सीटें निकाल भी सकती है।

पटना विधानसभा क्षेत्र: पटना में 21 विधानसभा सीटें हैं और इसमें 7 प्रतिशत आबादी मुस्लिम, 22 प्रतिशत लोग अनुसूचित जाति के हैं। 2020 के चुनाव में एनडीए ने 39 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 11 सीटें जीती थी। 38 प्रतिशत वोट शेयर के साथ महागठबंधन ने 10 सीटों पर जीत हासिल की। सर्वे के मुताबिक, जनसुराज इसी क्षेत्र में सबसे मजबूती से पकड़ बनाते दिख रही है। हालांकि, ये सिर्फ सर्वे हैं और उम्मीदवारों के चयन से लेकर प्रचार रणनीति पर बहुत कुछ निर्भर रह सकता है।

विजय की करुर रैली में भगदड़ से अब तक 36 की मौत, इन प्वाइंट में समझें कैसे हुआ हादसा?

(जीएनएस)।

तमिलनाडु के करुर ज़िले में शनिवार (27 सितंबर 2025) को अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (ळश्ङ) की रैली में एक बड़ा हादसा हो गया। रैली के दौरान अचानक मची भगदड़ जैसी स्थिति में अब तक 36 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 40 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

मृतकों में 16 महिलाएं, 9 पुरुष और 6 बच्चे शामिल हैं। हालात के अनुसार प्रशासन का कहना है कि जब तक सभी अस्पतालों से रिपोर्ट नहीं आ जाती, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। आइए जानते हैं आखिर किसकी लापरवाही से हुआ इतना बड़ा हादसा...

कैसे हुआ हादसा?

यह हादसा करुर-ईरोड हाईवे के वेलुसामिपुरम इलाके में हुआ, जहां विजय अपने 'वेलिचम वेलियेरु' (अर्थात्-"प्रकाश बाहर आए") अभियान के तहत एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जिला प्रशासन ने बताया कि शाम लगभग 7 बजकर 45 मिनट पर मंच के सामने खड़े हजारों लोग अचानक आगे की ओर बढ़ने लगे।

आंखों-देखी गवाहों के मुताबिक, लोग विजय की एक झलक पाने और मंच के करीब पहुंचने के लिए तेजी से बैरिकेड्स की तरफ दौड़े। इस अफरातफरी में कई लोग गिर पड़े और दम घुटने से बेहोश हो गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अचानक हुए इस दबाव में कई लोग जमीन पर गिर

गए, कुछ का दम घुट गया और कई बच्चे अपने परिवार से बिछड़ गए।

30 से ज्यादा मौतों का जिम्मेदार कौन? करूर हादसे पर चुप्पी साध गए विजय

करूर भगदड़ त्रासदी को लेकर पत्रकारों ने सवाल पूछे तो TVK नेता विजय ने कोई जवाब नहीं दिया। जब रिपोर्टरों ने कहा - 'सर, इतनी जानें चली गईं, कृपया कुछ तो बोलिए' - तब भी विजय मीडिया से बिना सामना किए सीधे अपने घर

देर से पहुंचने के कारण भीड़ हो गई बेकाबू

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, एक्टर अपनी रैली में 6 घंटे की देरी से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। पहले से ही वहां अधिक संख्या में लोग इक्ट्ठा थे देर होने के कारण भीड़ बढ़ती चली गई। भीड़ और उमस होने के कारण कुछ लोग बेहोश होने लगे।

इस दौरान विजय ने अपना भाषण बीच में रोक दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देखा गया कि विजय पानी की बोतलें बांटते नजर आए और एक लापता बच्चे को ढूँढ़ने के लिए माइक से अपील भी की। उन्होंने भीड़ को संयम बनाए रखने की गुहार की, लेकिन हालात पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

अनुमति से अधिक भीड़ से स्थिति बिगड़ी

पुलिस सूत्रों के अनुसार, करुर रैली में भीड़ का आंकड़ा अनुमान से कहीं अधिक रहा। अनुमति 30,000 लोगों की थी, लेकिन स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक करीब 60,000 लोग रैली स्थल पर पहुंचे। लोग पैदल, ट्रैक्टर और बसों से लंबी दूरी तय कर सभा स्थल पहुंचे थे।

एंट्री गेट पर भारी जाम लग गया और यह जगहें "चोक प्वाइंट" में बदल गईं। मंच के पास बफर जोन की कमी थी, जिससे लोग लगातार आगे बढ़ते गए और भीड़ नियंत्रण असंभव हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, "टर्नआउट अपेक्षा से बहुत बड़ा था। स्टेज बैरिकेड्स भीड़ के दबाव को झेल नहीं पाए और हालात बिगड़ गए।"

दिलचस्प बात यह है कि यह सभा स्थल आखिरी वक्त में बदला गया था। शुरू में रैली को करुर शहर के बीच आयोजित करना था, लेकिन पुलिस ने भीड़ और ट्रैफिक जोखिम को देखते हुए इसे हाईवे किनारे शिफ्ट करने की सलाह दी थी। इसके बावजूद, पर्याप्त भीड़ नियंत्रण इंतजाम नहीं हो सके।

राहत और बचाव में आ रही मुश्किलें

हादसे के बाद एम्बुलेंसों को घटना स्थल तक पहुँचने में भारी दिक्कत हुई। भीड़ इतनी घनी थी कि वाहनों का रास्ता पूरी तरह जाम हो गया। आखिरकार स्वयंसेवकों और पुलिस ने मानव श्रृंखला बनाकर घायलों के लिए रास्ता बनाया। घायलों को करुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को ईरोड और तिरुचिरापल्ली मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में रेफर किया गया।

प्रशासन की कार्रवाई और जांच

तमिलनाडु सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं। जिला प्रशासन ने कहा है कि मैजिस्ट्रियल इन्क्वायरी (न्यायिक जांच) होगी और वीडियो फुटेज व गवाहों के बयान के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने माना कि भीड़ नियंत्रण की गंभीर चूक सामने आई है।

स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमणियन ने अस्पताल जाकर घायलों का हालचाल लिया। वहीं, पूर्व डीएमके मंत्री वी. सेंथिल बालाजी भी घायलों से मिलने पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, मृतकों के परिजनों को ₹5 लाख का मुआवजा और घायलों को ₹50,000 की आर्थिक सहायता देने पर विचार किया जा रहा है।

विजय की रैली का मकसद जनता से जुड़ना था, लेकिन भारी भीड़ ने इसे मातम में बदल दिया। अब सवाल यह है कि क्या जांच के बाद दोषियों की जिम्मेदारी तय हो पाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा?

'वो मर्दों को हिंट देती है, फंसाती है', इस सुपरस्टार की मां ने रेखा के बारे में सरेआम कही थी ऐसी बात

(जीएनएस)।

रेखा बॉलीवुड की वो एक्ट्रेस हैं, जो अपने सदाबहार अंदाज के लिए जानी जाती हैं। भले ही वो आजकल फिल्मों में नजर नहीं आती हैं, लेकिन वो हर एक बड़े इवेंट में दिखती हैं। रेखा की पर्सनल लाइफ भी बड़े उतार-चढ़ाव से गुजरी है। रेखा की पर्सनल लाइफ उनकी शादी और अफेयर की वजह से भी चर्चा में रही है।

अमिताभ बच्चन के साथ उनके अफेयर की बातें तो आज भी सुर्खियां बटोरती हैं। रेखा ने शादी भी की, लेकिन कोई भी चल नहीं पाई। वो मांग में सिंदूर लगाती हैं। किसके नाम का, वो भी एक रहस्य है। रेखा को जया पसंद नहीं करती हैं। इसके अलावा एक और एक्ट्रेस रही हैं, जिन्हें रेखा फूटी आंख नहीं सुहाती हैं। इतना ही नहीं उन्होंने रेखा को चुड़ैल तक कह दिया था।

बात है फिल्म 'जमीन

आकाश'की। जिसमें रेखा के साथ संजय दत्त थे। इस सेट में दोनों की अचानक नजदीकियां बढ़ने लगीं थी। दोनों के अफेयर की खबरें फैलने लगीं। कुछ रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया कि रेखा संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती थीं। हालांकि इस मामले में दोनों ने कभी कुछ नहीं बोला। लेकिन संजय दत्त की मां नरगिस दत्त को इस खबर की भनक लगी तो उनका पारा चढ़ गया।

साल 1976 में नरगिस दत्त ने एक इंटरव्यू दिया था। जिसमें उन्होंने रेखा के बारे में एक बड़ी विवादास्पद कही थी। उन्होंने कहा था, "वो (रेखा) पुरुषों को ऐसे संकेत देती है, जैसे वह आसानी से उपलब्ध हो। कुछ लोगों की नजरों में वह चुड़ैल से कम नहीं है। वो मेरे बेटे से दूर रहे। उसने मेरे बेटे को भी फंसा लिया है। कई बार मुझे लगता है कि मैं उन्हें समझती हूं। मैंने अपने करियर में कई ऐसे बच्चों के साथ काम किया है जिन्हें मनोवैज्ञानिक परेशानी है, लेकिन वह खोई हुई है। उसे एक मजबूत आदमी की जरूरत है।"

दिल्ली के व्यापारी मुकेश अग्रवाल से शादी करने के बाद रेखा की जिंदगी में एक बड़ा तूफान आया। 1990 में मुकेश अग्रवाल ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। मुकेश की मृत्यु के बाद रेखा को उनके पति की मौत का जिम्मेदार ठहराया गया। उन्हें 'वैम्प' कहा गया और उन पर पति को 'खाने' का आरोप भी लगा, जिससे उनकी जिंदगी और भी मुश्किल हो गई।

सड़कों पर सन्नाटा, बाजार-स्कूल बंद', सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लेह में कैसे हैं हालात?

(जीएनएस)।

एनवायरमेंट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद लद्दाख के लेह में पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। शनिवार, 27 सितंबर को लगातार चौथे दिन भी लेह में कर्फ्यू जारी रहा और शहर में हालात अभी सामान्य नहीं हुए हैं। पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने गश्त और चेकिंग तेज कर दी है।

यह कदम सोनम वांगचुक को ठरअ के तहत हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद उठाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके में हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। बता दें कि वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद हालात ना बिगड़े इसके लिए पूरे लेह में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है।

24 घंटे से कैसे हैं हालात?

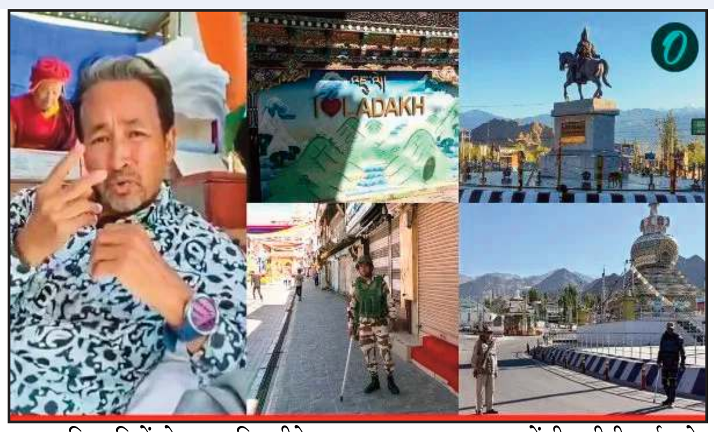

अधिकारियों ने कहा कि बीते 24 घंटों में लद्दाख के किसी भी हिस्से से कोई अनहोनी की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्फ्यू और पाबंदियाँ जारी हैं। हालात सामान्य होने तक लेह में स्कूल और मार्केट बंद हैं और चारो तरफ सन्नाटा फैला हुआ है। सड़कों पर पैरा मिलिट्री फोर्स तैनात हैं।

सामाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, उपराज्यपाल काविंदर गुप्ता राजभवन में उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने वाले हैं। कर्फ्यू में ढील देने पर निर्णय इसी बैठक में लिया जाएगा। प्रशासन ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की गश्त बढ़ा दी गई है।

इसके साथ ही, हिंसा भड़काने वालों को पकड़ने के लिए छापेमारी भी की जा रही है। इनमें एक पार्षद भी शामिल है, जिस पर लोगों को भड़काने का आरोप है। अब तक 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। लेह के अलावा कारगिल समेत केंद्र शासित प्रदेश (UT) के अन्य बड़े शहरों में भी धारा 144 के तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लागू है।

वांगचुक की गिरफ्तारी पर क्या कहा?

शुक्रवार देर रात उपराज्यपाल (LG) ने एक बयान जारी कर वांगचुक की गिरफ्तारी को उचित ठहराया। बयान में कहा गया कि वांगचुक के कई भाषणों के चलते 24 सितंबर को लेह में हिंसा भड़की। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। प्रशासन ने कहा कि वांगचुक को हिरासत में लेना शांति बहाल करने और उन्हें ऐसी गतिविधियों से रोकने के लिए जरूरी था जो "सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए हानिकारक" साबित हो सकती हैं।

प्रशासन का दावा - निजी महत्वाकांक्षा में उलझे रहे वांगचुक

बयान में कहा गया कि यदि वांगचुक सरकार के साथ संवाद बहाल होने पर भूख हड़ताल वापस ले लेते तो यह हिसा टल सकती थीं। प्रशासन का कहना है कि वांगचुक ने अपनी "निजी और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं" के चलते आंदोलन जारी रखा। प्रशासन ने साफ किया कि वांगचुक को लेह में रखने से माहौल और बिगड़ सकता था। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (ठरअ) के तहत उन्हें हिरासत में लेकर राजस्थान की जोधपुर जेल भेजा गया है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लगने वाला है एंटरटेनमेंट का बुफे, इस हफ्ते होगा जोरदार धमाका

(जीएनएस)।

हर हफ्ते की तरह इस बार भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एंटरटेनमेंट का बुफे लगने वाला है। नेटफ्लिक्स से लेकर जियो हॉटस्टार तक इस सारे प्लेटफॉर्म पर कई धमाकेदार फिल्में और वेब सीरीज रिलीज होने वाली हैं। इस लिस्ट में ट्विंकल खन्ना और काजोल के टॉक शो से लेकर 'सन ऑफ सरदार-2' तक का नाम शामिल है। साथ ही कुछ नए शोज भी देखने को मिलेंगे।

22 सितंबर से 28 सितंबर के बीच ओटीटी पर क्या रिलीज होगी हम आपको इस रिपोर्ट में बताएंगे। इस सप्ताह दर्शकों को एक्शन, ड्रामा, रोमांस और कॉमेडी का शानदार मिश्रण देखने को मिलेगा।

सोनी लिव में 22 सितंबर को नवरात्रि के दिन 'चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है' रिलीज हो रही है। इस शो का टीजर पहले ही काफी चर्चा बटोर चुका है। इस सीरीज में आपको भक्ति भाव देखने को मिलेगा।

23 सितंबर को साउथ की बेहतरीन कहानी 'सुंदरकंडा' रिलीज होगी। इसे आप जियोहॉटस्टार पर देख सकते हैं। यह एक अनोखी प्रेम कहानी है, जिसके रेटिंग भी शानदार है।

24 सितंबर को जियो हॉटस्टार पर

मार्वल के फैंस के लिए 'मार्वल जॉम्बीज' आ रही है। इसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन और जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। इसकी खासियत ये है कि बच्चों और बड़ों दोनों को पसंद आएगी।

25 सितंबर को 'टू मच फन विद काजोल एंड ट्विंकल' नाम का खास टॉक शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा। इसमें आमिर से लेकर सलमान तक कई बड़े सितारे शामिल होंगे।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क-2' ओटीटी पर 26 सितंबर को रिलीज होगी। दर्शक इसे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

मस्ती भरे मनोरंजन के लिए 26 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर अजय देवगन की मल्टीस्टारर फिल्म 'सन ऑफ सरदार' रिलीज होगी। यह फिल्म दर्शकों को हंसाने और उनका मूड हल्का करने के लिए एक अच्छा विकल्प है।

मोहनलाल और मालविका मोहनन अभिनीत फिल्म 'हृदयपूर्वम' 26 सितंबर को जियो हॉटस्टार पर रिलजी होगी। यह एक हार्ट ट्रांसप्लांट सर्वाइवर की कहानी है, जो अपने डोनर की बेटी की सगाई में जाता है और फिर उससे प्यार करने लगता है।

जियो हॉटस्टार पर 28 सितंबर को 'द फ्रेंड' रिलीज होगी, जिसमें कॉमेडी और ड्रामा का बेहतरीन कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा।

फाइनल में 10 बार भिड़े भारत-पाकिस्तान, किसने मारी बाजी, कौन रहा पीछे?

एशिया कप 2025 का फाइनल रविवार को दुबई में खेला जाएगा, जहां क्रिकेट के दो सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। यह इस मौजूदा टूनार्मेंट में तीसरी बार होगा जब ये दोनों टीमें भिड़ेंगी। भारत ने इससे पहले ग्रुप और सुपर फोर चरण में पाकिस्तान को मात दी है और अब उसकी नजरें जीत की हैट्रिक पर टिकी हैं।

41 साल के इतिहास में पहली भिड़ंत (क्ठऊ५२ ढउअ ॠल्लं')

एशिया कप की शुरूआत 1984 में होने के बावजूद इसके 41 साल के इतिहास में कभी भी भारत और पाकिस्तान फाइनल में नहीं टकराए थे। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई है, जबकि भारतीय टीम लगातार छह मैच जीतकर, अजेय रहते हुए खिताबी मुकाबले में पहुंची है। भारत सबसे ज्यादा आठ बार एशिया कप का खिताब जीत चुका है, जबकि पाकिस्तान ने सिर्फ दो बार यह ट्रॉफी उठाई है।

फाइनल में पाकिस्तान का पलड़ा रहा है भारी

हालांकि, भारत के लिए आत्मविश्वास के अतिरेक से बचना जरूरी होगा, क्योंकि खिताबी मुकाबलों में पाकिस्तान के खिलाफ उसका रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी बड़े टूनार्मेंट के फाइनल रिकॉर्ड पर नजर डालें तो मुकाबला हमेशा कांटे का रहा है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 10 फाइनल मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें भारत ने 3 और पाकिस्तान ने 7 में जीत हासिल की है।

भारत को दिखाना होगा दम

पाकिस्तान ने 6 खिताबी जीत दर्ज की हैं, जिनमें 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की एकतरफा जीत शामिल है। वहीं, भारत के पक्ष में 1985 विश्व चैंपियनशिप और सबसे अहम 2007 टी20 विश्व कप फाइनल की जीत दर्ज है। यह रिकॉर्ड बताता है कि फाइनल का दबाव बिल्कुल अलग होता है। ऐसे में रविवार को एक भी भूल टीम इंडिया के लिए मुसीबत बन सकती है।

फाइनल में ऐसा रहा है रिकॉर्ड

विश्व चैंपियनशिप 1985 में भारत ने 8 विकेट जीता था।

ऑस्ट्रल एशिया कप 1986 में पाकिस्तान ने 1 विकेट जीता था।

विल्स ट्रॉफी1991 में पाकिस्तान को 72 रन से जीत मिली थी।

ऑस्ट्रल कप 1994 में पाकिस्तान 39 रन से मैच जीता था।

सिल्वर जुबली कप 1998 में भारत ने 3 विकेट मैच जीता था।

पेप्सी कप 1999 में पाकिस्तान ने 123 रन से मैच जीता था।

कोका-कोला कप 1999 में पाकिस्तान ने 8 विकेट से मैच जीता था।

काकोरी में तीन मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार

(जीएनएस)।

काकोरी।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश राठौर के नेतृत्व में काकोरी पुलिस ने अपने उच्चाधिकारियों को विश्वास में लेते हुए क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने चोरी की आठ मोटरसाइकिलें बरामद की है। इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करके जेल भेजा गया है। बरामद सामान की कीमत कई लाखों रुपये थी क्षेत्र से बड़ी मोटरसाइकिल चोरों द्वारा चुराई गई मोटरसाइकिल बरामद करते हुए तीन लोगों को भी पकड़कर जेल भेज दिया गया है।वही इस घटना के खुलासे से क्षेत्र के आम जनमानस में पुलिस की कार्यसैली के प्रति विश्वास बढ़ गया है।गिरफ्तार गाड़ी चोर

अमन यादव उम्र 19 वर्ष पुत्र इन्द्रपाल निवासी ग्राम कलिया खेड़ा थाना काकोरी अनुज कुमार यादव उर्फ अमित उम्र 27 वर्ष पुत्र विश्वनाथ निवासी ग्राम मकदुमखेड़ा मजरा असावत थाना असोहा जिला उन्नाव राहुल कुमार उम्र 26 वर्ष पुत्र रामशंकर निवासी ग्राम चकपरेवा थाना काकोरी लखनऊ

बरामद चोरो के कब्जे से 08 अदद मोटरसाइकिल UP32HE 8102,UP32NM9850,UP 32GD, UP32PJ0190, UP32MD0513, UP 32 PC 4606, UP 32 KK 2073, UP32GR5758 किया बरामद।

12 अदद कूटरचित आधार कार्ड की छायाप्रति को किया बरामद ।02 अदद मोबाइल एंड्रॉइड (LAVA, REALME), चोरों को गिरफ्तार करने वाली काकोरी पुलिस टीम-थाना प्रभारी निरीक्षक श्री सतीश राठौर,चौकी प्रभारी घूरघुरी तालाब उ0नि0 छत्रजीत सिंह, उ0नि0अंकित यादव,उ0नि0 उत्तम सिंह,उ0नि0 उस्मानखाँन, का0 देवेन्द्र लवानियाँ,

का0 रोहित यादव, हेड का0गौरव भदौरिया, कोतवाली काकोरी लखनऊ

राज कलश यात्रा व मेले का किया जाएगा आयोजन : मनीष यादव 'दशहरी'

(जीएनएस)।

लखनऊ।भारतीय किसान यूनियन दशहरी राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष यादव जी के द्वारा दिनांक 28-9-2025 दिन रविवार को शहीद ए आजम भगत सिंह जी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व शहीद सैनिकों के परिजनों का सम्मान समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी काकोरी शहीद स्मारक मन्दिर परिसर में किया जाएगा, जिसमें आप सभी सम्मानित साथी सादर आमंत्रित हैं।आप अपने साथियों के साथ पहुंच कर कार्यक्रम को सफल व भव्य बनाने में अपना कीमती समय प्रदान करें। थोड़ा सा समय देश के वीर सपूतों के नाम।

शहीद रज कलश यात्रा सुबह 28 सितम्बर को ही सुबह 10 बजे से दुबग्गा पावर हाउस शहीद स्मारक जागर्स पार्क के सामने से प्रस्थान करेगी और सीतापुर बाई पास होते हुवे मछली मंडी अंधे की चौकी होते हुवे 12 बजे तक शहीद स्मारक मन्दिर काकोरी बाजनगर पहुंचेगी।आगे के समस्त कार्यक्रम शहीद मंदिर बाजनगर काकोरी में ही सम्पन्न होंगे जो भी साथी कलश यात्रा में भाग लेना चाहते हैं वे सभी साथी 10 बजे तक शहीद स्मारक जागर्स पार्क दुबग्गा निकट पवार हाउस दुबग्गा पहुंचे। जय हिन्द जय भारत

आपका मनीष यादव दसहरी वाट्सअप नंबर 9454074088

विद्युत विभाग कि लापरवाही से गांव में छाया अंधेरा ग्रामीण अंधेरे में गुजर बसर करते हुए आए नजर

(जीएनएस)।

थाना हथगाव क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पूरे लाल का पुरवा मजरे कस्बा हथगांव के लोगों की मांग है कि 25 के वी का ट्रांसफार्मर एक माह में चार बार जल चुका है जिसकी सूचना विद्युत विभाग को भी है और अभी तक दूसरा ट्रांसफॉर्म नहीं रखा गया जिससे कि ग्रामीण विद्युत विभाग से काफी नाराजगी जताते हुए दर-दर भटक रहे हैं तथा उनकी सुनाई नहीं हो रही और ग्रामीणों का कहना है कि हमारे ग्राम में काफी ज्यादा कनेक्शन होने के कारण 25 के वी का ट्रांसफार्मर लोड नहीं ले रहा इसीलिए जल जाता है तथा ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत विभाग कर्मचारियों से निवेदन है कि हमारे ग्राम में 63के वी का ट्रांसफॉर्म रख दें आश्वासन देते हुए कहा जब योजना के तहत 63 कवि का ट्रांसफॉर्म आएगा तभी रखा जाएगा और

ताकि लोगों के जीवन में अंधेरा ना रहे तथा इसी के साथ ही साथ बताते चलें कि ग्रामीणों ने जेई साहब से बात भी की लेकिन उन्होंने ग्रामीणों ने कहा यदि विद्युत विभाग हमारी बातों को सुने तो हम ग्रामीण लोग चंदा मिलकर ट्रांसफॉर्म खरीद कर रखवा दें या फिर आप ही रखवा दें तथा बराबर लाइट ना मिल पाने के कारण गांव के लोग अंधेरों में बसर करते हैं और पानी पीने की बहुत ज्यादा समस्या है क्योंकि लाइट आएगी नहीं तो पानी कैसे भरा जाएगा और इस समय नवरात्र का दिन चल रहा है जिससे कि देवी मां के प्रांगण में अंधेरा छाया रहता है यह करीबन 15 दिन हो गया अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ अर्थात गांव के उपस्थित लोग जैसे बच्ची लाल ,बड़कू, देवेंद्र,पवन, वीरेंद्र, छोटू ,छोटा, चंद्रभान, शिवपूजन, छोटा लाल, डॉक्टर सोनू पत्रकार यह सभी लोग की मांग है कि जल्द से जल्द हमारी समस्याओं का समाधान किया जाए

दिन शनिवार समय अपराह्न 1.00 बजे कौशल विकास केंद्र का शुभारम्भ सरस्वती शिशु मंदिर, टिकैत राय तालाब, लखनऊ प्रांगण में हुआ

कार्यक्रम को भारत सरकार द्वारा प्रमाणित जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ एवं संस्था *जी.एस सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी,लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में किया। हुआ।कार्यक्रम की शुरूवात श्री अंजनी कुमार श्रीवास्तव के द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ, उनका साथ सर्वश्री अनूप कमल सक्सेना(पार्षद) शिवपाल सांवरिया (पूर्व पार्षद),अजय दीक्षित (पार्षद), श्रीमती बीना गुप्ता(पूर्व पार्षद), सर्वश्री वीरेंद्र कुमार, अनिल कुमार श्रीवास्तव,गुरु मिलन सिंह, राजेंद्र प्रसाद, राजेश मिश्रा (राजन), नोटेश दीक्षित,वेद प्रकाश श्रीवास्तव, तेज प्रताप यादव (जग्गनाथ इंटर कॉलेज - प्रधानाचार्य)संदीप सैनी, आशीष तिवारी, पन्ना लाल,निखिल जयसवाल अरुण शुक्ला और अन्य गणमान्य लोगो के साथ साथ

प्रशिक्षुओं ने भी दीप प्रज्वल्लन में हिस्सा लिया, श्री वीरेंद्र कुमार जी ने बीना गुप्ता जी को अंगवस्त्र और पौधा (पॉट) के साथ भेंट किया, श्रीमान अंजनी कुमार श्रीवास्तव जी ने सभी प्रशिक्षुओं को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास कार्यक्रम की विशेषता के बारे में सबको बताया, और सभी मुख्य अतिथियों को श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव जी ने अंगवस्त्र भेंट करके और पौधा (पॉट)के साथ वितरण करके किया साथ-साथ सभी मुख्य अतिथियों ने प्रशिक्षुओं को सम्बोधित किया, वैष्णवी शर्मा (प्रशिक्षक) और शिवानी वर्मा (प्रशिक्षक) ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए श्री गुरु मिलन सिंह, श्रीमती कल्पना सिंह, राजेंद्र प्रसाद (सरस्वती शिशु मंदिर) और मैं (अरुण शुक्ला) सभी आये हुए मुख्य अतिथियों और विशिष्ट अतिथियों का ह्रदय से स्वागत एवं अभिनन्दन के साथ साथ धन्यवाद देते हैं।

शिवसेना शिंदे गुट 100 सीटों पर ठोंकेगा दावा, सीट बंटवारे पर 'महायुति' में महा टेंशन

(जीएनएस)।

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले सत्तारूढ़ महायुति में सीट बंटवारे को लेकर टेंशन बढ़ गई है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया है कि राज्य के सभी स्थानीय निकायों के चुनाव 31 जनवरी 2026 से पहले कराए जाएं।इसके बाद राजनीतिक दल अपनी चुनावी तैयारी तेज कर चुके हैं। (नवभारत रिपोर्ट के अनुसार)

विशेष ध्यान मुंबई पर है, जहां उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 100 सीटों पर दावा ठोंक दिया है। यह दावा 2017 के आखिरी बीएमसी चुनाव में शिवसेना द्वारा जीती गई 83 सीटों, मनसे के 6, 3 निर्दलीय और अन्य 8 सीटों पर अपना प्रभाव दिखाने के लिए किया गया है।

महायुति गठबंधन के अन्य घटक दल भी सीटों की मांग कर रहे हैं। भाजपा कम से कम 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। वहीं अजीत पवार की राकां और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रामदास आठवले भी क्रमशः कुछ सीटों की मांग कर रहे हैं। इस वजह से शिंदे गुट को

अपने 100 सीटों के दावे पर समझौता करने के लिए दबाव महसूस हो रहा है।

इटउ का बड़ा बजट संकट? 16,000 करोड़ आरक्षित फंड का उपयोग विकास के लिए किया गया

बीएमसी में कुल 227 सीटें हैं। शिंदे गुट ने पिछले चुनावों में शामिल हुए ज्यादातर नगरसेवकों को अपने खेमे में जोड़कर अपना बल मजबूत कर लिया है। कांग्रेस, मनसे और कुछ निर्दलीय जीतने वाले पूर्व नगरसेवक भी शिंदे गुट में शामिल हो चुके हैं। इस तरह करीब 60 पूर्व नगरसेवक शिंदे गुट के पास मौजूद हैं। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ गठबंधन की संभावनाओं को लेकर भी सियासी हलचल तेज है। बीएमसी चुनाव में महापौर पद जीतने के लिए सभी दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि महायुति में सीटों के बंटवारे को लेकर रस्साकशी और सत्ता संघर्ष चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सकता है। शिंदे गुट का 100 सीटों पर दावा और गठबंधन के अन्य दलों की मांगें बीएमसी चुनाव को और रोमांचक बनाने की संभावना रखती हैं। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि बीएमसी चुनाव महायुति के लिए सत्ता संतुलन का बड़ा परीक्षण होगा।

एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, लखनऊ में डांडिया फेस्ट - 2025 का भव्य आयोजन

लखनऊ, 27 सितम्बर 2025।

बख्शी का तालाब स्थित एस.आर. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में शनिवार की रात नवरात्रि स्पेशल डांडिया फेस्ट झ 2025 का आयोजन बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ किया गया। रंग-बिरंगी सजावट, ढोल की थाप और डीजे की मनमोहक धुनों पर थिरकते छात्र-छात्राओं ने इस रात्रि को अविस्मरणीय बना दिया।

कार्यक्रम में संस्थान के चेयरमैन एवं माननीय एम.एल.सी. श्री पवन सिंह चौहान, वाइस चेयरमैन श्री पीयूष सिंह चौहान, वाइस चेयरपर्सन डॉ. सुष्मिता सिंह, वाइस चेयरपर्सन श्रीमती निर्मला सिंह चौहान, इपसम के एमडी डॉ. वैभव प्रताप सिंह तथा वागा अस्पताल की एमडी डॉ. पल्लवी सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

डांडिया फेस्ट का शुभारंभ माँ दुर्गा की प्रतिमा के पूजन से हुआ। इसके उपरांत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, लाइव

डीजे, स्वादिष्ट व्यंजन, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट और रोमांचक लकी ड्रॉ ने उत्सव की रौनक को और बढ़ा दिया। संस्थान के 4000 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं संस्थान के सदस्यों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ इसमें भाग लिया।

लोकप्रिय डांडिया गीतों ह्वढोलिडाह्व, ह्वनगाड़ा संग ढोलह्व, ह्वकेसरियो रंग ताने लाग्योह्व और ह्वचोगाड़ाह्व पर छात्रों ने गरबा और डांडिया की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। रंग-बिरंगे परिधानों और ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

डांडिया नाइट में आयोजित प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ा दिया। सर्वश्रेष्ठ पोशाक (महिला एवं पुरुष), सर्वश्रेष्ठ नृत्य, स्पॉटलाइट पुरस्कार तथा लकी ड्रॉ जैसे आकर्षक कार्यक्रमों के विजेताओं को संस्था की ओर से विशेष पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन एवं माननीय एम.एल.सी. श्री पवन सिंह चौहान ने सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि ह्वयह पर्व सांस्कृतिक मनोरंजन, सात्विक आहार, सकारात्मक विचार और सामूहिक ऊर्जा का प्रतीक है। इस तरह के आयोजन न केवल सांस्कृतिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों में उत्साह और ऊर्जा का संचार भी करते हैं ह्व

मुख्यमंत्री फडणवीस ने पीएम मोदी से की महत्वपूर्ण मुलाकात, बाढ़ और विकास योजनाओं पर चर्चा

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति के बारे में जानकारी दी, साथ ही किसानों को हुए नुकसान के लिए केंद्रीय सहायता की मांग की।प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार महाराष्ट्र के किसानों के साथ खड़ी रहेगी। मुख्यमंत्री ने रक्षा गलियारा परियोजनाओं, गढ़चिरौली में इस्पात उत्पादन के लिए रियायतों, दहिसर में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की भूमि के हस्तांतरण और व्यापार सुगमता को बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों पर भी चर्चा की।

गढ़चिरौली स्टील सिटी परियोजना

सीएम फडणवीस ने गढ़चिरौली स्टील सिटी परियोजना के लिए महाराष्ट्र राज्य खनन निगम को क्षेत्र-सीमा रियायतें देने का अनुरोध किया। इस परियोजना ने पहले ही 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। गढ़चिरौली में हरित इस्पात उत्पादन की अपार क्षमता है, जो चीन की तुलना में कम लागत पर उपलब्ध होगी।

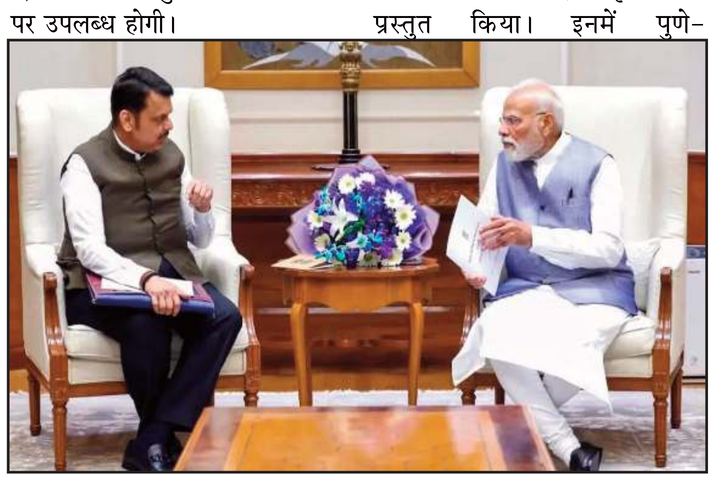

विज्ञप्ति में कहा गया है कि नक्सल प्रभाव से मुक्त होने के बाद, जिले में बड़े पैमाने पर विकास और नए अवसर देखने को मिलेंगे।

रक्षा गलियारे के प्रस्ताव

महाराष्ट्र रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिसमें 10 आयुध कारखाने हैं और भारत के कुल हथियारों और गोला-बारूद का लगभग 30 प्रतिशत उत्पादन होता है। इस पर ध्यान देते हुए, सीएम फडणवीस ने राज्य में तीन रक्षा गलियारों के लिए विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इनमें पुणे-अहिल्यानगर-छत्रपति संभाजीनगर गलियारा और अमरावती-वर्धा-नागपुर-सावनेर गलियारा शामिल हैं। राज्य ने पहले ही 60,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं, और मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से इन गलियारों को मंजूरी देने का आग्रह किया।

दहिसर में भूमि हस्तांतरण

दहिसर पूर्व में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के स्वामित्व वाली 58 एकड़ जमीन पहले मेट्रो कार शेड के लिए एमएमआरडीए को आवंटित की गई थी। डिजाइन में बदलाव के कारण, एमएमआरडीए ने अपना इरादा वापस ले लिया और अब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने जमीन मांगी है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने प्रधानमंत्री मोदी से सार्वजनिक उपयोग और विकास कार्यों के लिए जमीन बीएमसी को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इस कदम से इलाके में ऊँचाई प्रतिबंध की समस्या का समाधान होगा।

आगामी कार्यक्रम

प्रधानमंत्री मोदी 8-9 अक्टूबर को फिनटेक सम्मेलन के लिए मुंबई जाने वाले हैं, जहां वे नवी मुंबई हवाई अड्डे और मेट्रो-3 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि नवी मुंबई हवाई अड्डे का आधिकारिक नाम डीबी पाटिल के नाम पर रखने का प्रस्ताव भेजा गया है।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से भी मुलाकात की।

सचिवों का सब्र टूटा, मनमानी का विरोध तेज

(जीएनएस)।

देर रात बैठक, जबरन कार्य और वेतन रोकने के खिलाफ पंचायत सचिवों ने फूंकी कार्य बहिष्कार की चेतावनी

लखनऊ। लोहिया सभागार विकास भवन में शनिवार को ग्राम पंचायत अधिकारी संघ एवं ग्राम विकास अधिकारी संघ, जनपद लखनऊ की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में सैकड़ों पंचायत सचिवों ने एक सुर में उच्चाधिकारियों के मनमाने रवैये पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए कार्यबहिष्कार की चेतावनी दी।

बैठक में सचिवों ने कहा कि बिना किसी लिखित आदेश के, व्हाट्सऐप संदेशों के जरिए देर रात बैठक बुलाना, राज्य वित्त व केंद्रीय वित्त योजनाओं में शत-प्रतिशत भुगतान का दबाव डालना, अन्य विभागीय योजनाओं जैसे ई-क्रॉप सर्वे, फैमिली आईडी, समाज कल्याण विभाग, गौशाला संचालन व एनआरएलएम योजनाओं की जिम्मेदारी जबरन सचिवों पर थोपना और कार्य न होने पर वेतन रोकने/निलंबन जैसी कार्रवाई करना असहनीय है। सचिवों ने निर्णय लिया कि यदि उनकी मांगों का समाधान जल्द नहीं हुआ तो शाम 5 बजे के बाद किसी भी शासकीय कार्य का संचालन नहीं किया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता संयुक्त रूप से ग्राम पंचायत अधिकारी संघ अध्यक्ष नागेन्द्र प्रताप कुशवाहा और ग्राम विकास अधिकारी संघ अध्यक्ष ललित कुमार गौतम ने की। संचालन जिला महामंत्री प्रशान्त सक्सेना एवं जिला महामंत्री ललित कुमार द्वारा किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से दोनों संगठनों के पदाधिकारी व सचिव शामिल रहे, जिनमें —अमित सिंह, हरिओम पाठक, अनुज यादव, कायम सिंह, सुधांशू सिंह, दीपक चौधरी (एडीओ आईएसबी), राम बहादुर शर्मा, डी.पी. सिंह, नासिर हुसैन, राजेश सिंह, संजीव कुमार, श्रीमती अनामिका सिंह, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, श्रीमती रेखा सिंह, सुनीता पाल, सुप्रिया गौतम, संजय गिरी, विनोद यादव, दिनेश शर्मा, अंकित पटेल, प्रतिभा सिंह, अभिलाश कश्यप, शशांक शुक्ला, राकेश यादव, शुभम मिश्रा, दीपिका पाण्डेय, शशिपाल, आलोक चौधरी, शैफाली जायसवाल, ओमवीर यादव, दिव्य प्रताप, दीपकुमार, विनोद गौड़, राजकुमार सिंह, अनिल गौतम, आलोक वर्मा सहित जनपद के समस्त सचिव ग्राम पंचायत बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।बैठक के दौरान सचिवों ने एक स्वर में कहा कि जब तक उनकी जायज मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाया जाता, तब तक आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार के बाद किसान यूनियन ने मनाई तेरहवीं

(जीएनएस)।

माल। भारतीय किसान यूनियन (लोकतांत्रिक) के बैनर तले मलिहाबाद तहसील प्रशासन की उदासीन और असंवेदनशील कार्यशैली पर सैदापुर चक में किसानों का आंदोलन लगातार 23वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के बीच किसान संगठन ने प्रशासन की निष्क्रियता को लेकर ऐसा अनोखा विरोध दर्ज कराया कि पूरे क्षेत्र में तहसील प्रशासन की जमकर किरकिरी हो रही है।

संगठन ने व्यंग्यात्मक ढंग से कहा कि दिनांक 5 सितम्बर 2025 से मलिहाबाद तहसील प्रशासन के अधिकारियों को किसी बड़े अफसर के दबाव का ऐसा रोग लग गया, जिससे उनकी कार्यक्षमता बिल्कुल खत्म हो गई। इस कथित बीमारी का इलाज संगठन के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार खुद करा रहे थे, वहीं किसान नेता दिनेश रावत, नन्हके रावत, रिंकू शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान साथी व महिलाएं ईश्वर से अधिकारियों के स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे थे।

संगठन ने प्रशासन की लापरवाही को प्रतीकात्मक मृत्यु मानते हुए 21वें दिन अधिकारियों की मृत्यु घोषित कर दी। 22वें दिन यानी 26 सितम्बर 2025 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर संगठन के युवा मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष शिवम सिंह ने अपने सिर के बाल मुंडवाकर सभी शवों को अग्नि दी। इस अनोखे विरोध के दृश्य देखकर स्थानीय लोग भी प्रशासन की निष्क्रियता पर हतप्रभ रह गए।

शनिवार को मृत अधिकारियों की तेरहवीं का आयोजन किया गया। संगठन के सभी पदाधिकारियों, किसानों, ग्रामीणों ने तेरहवीं भोज प्रसाद ग्रहण कर मृत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

प्रशासन की किरकिरी

किसानों के इस प्रतीकात्मक विरोध ने तहसील प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर क्यों किसान अपनी जायज मांगों के समाधान के बजाय व्यंग्य और अंतिम संस्कार जैसे कदम उठाने पर मजबूर हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की ढुलमुल रवैया और किसानों की समस्याओं की लगातार अनदेखी ने इस आंदोलन को और भड़का दिया है।